tgNbv e‡jwUb

A‡±vei, 2021; msL¨v-43

আমাদের সম্পর্কে

†iwWI †gNbv (DcK‚‡ji KÉ¯^i) †Kv÷ dvD‡Ûkb Gi GKwU KwgDwbwU †iwWI| evsjv‡`‡ki DcK‚jxq GjvKvi cwšÍK gvby‡li Rxeb-gvb Dbœq‡bi Rb¨ KvR K‡i| GwU DcK‚jxq Øxc †fvjvi Pid¨vmb Dc‡Rjvq 2015 mv‡j hvÎv ïi K‡i| †iwWI †gNbv ^ea AwaKv‡ii `vwe, mgv‡R ^elg¨ `ixKiY, Rjevq cwieZ©‡bi cfve †gvK‡ejv I cwi‡ek miÿv, grm¨, Kwl, wj½xq mgZv I wk¶vLv‡Z mvgwRK, ms¯‹…wZK I MYgva¨g Dbœq‡b Drmvnx Kiv Ges RbM‡Yi m¶gZv ew×i Rb¨ `wi`ª Kô¯^i evov‡Z KvR K‡i|

†iwWI †gNbv ï‡b bKwk Kv_v †mjvB‡q AbcwYZ হয়েছেন খাদিজা

Mvg evsjvi cwZwU N‡i N‡i †ek cPwjZ nv‡Zi ^Zix bKwk Kv_v| Z‡e Kv‡ji weeZ©‡b GB KvR cvq wej‡ßi c‡_ †M‡jI Aemi সময়ে বাহারি নকশি কাঁথা সেলাই করে স্বাবলম্বী হয়েছেন এসএসসি cix¶v_x Awgbvev` GjvKvi wK‡kvix Lw`Rv Av³vi|

ga¨weË cwiev‡ii eo †g‡q Lw`Rv Av³vi| msMvgx mdj bvix‡`i M í wb‡q †iwWI †gNbvi wbqwgZ Abôvb Ômdj bvixÕ ï‡b wb‡R I সফল হয়েছেন। খাদিজা বলেন, এই অনুষ্ঠান শুনে সপ্তম শ্রেণি পড়া অবস্থায় তার পছন্দের কাজ নকশি কাঁথা সেলাই শুরু করেন। তবে করোনায় দীর্ঘ সময় শিক্ষা প্রতিষ্ঠান বন্ধ থাকায় সেই ইচ্ছেকে আরো প্রবল করে তোলে। Gmgq cov‡jLvi cvkvcwk `kwU bKwk Kv_v †mjvB K‡ib Lw`Rv| বড় কাঁথা ৪-৫ হাজার এবং ছোটগুলো ২-৩ হাজার টাকায় বিক্রি করে এখন পর্যন্ত ১০ হাজার টাকার নকশি কাঁথা বিক্রি করেছেন তিনি। Zvi gv‡qi mv‡_ K_v n‡j e‡jb, K‡ivbvi mgq Lw`Rvi evevi আয়-রোজগার কমে গেলে খাদিজার কাঁথা বিক্রি করা টাকা দিয়ে সংসারের হাল ধরেছে। তাই নিজের মেয়েকে সেলাই কাজ শেখান। তার স্বপ্ন খদিজাও একদিন নকশি কাঁথা সেলাই করে স্বাবলম্বী হয়ে মানুষের †Pv‡L mbvg ARb Ki‡e| Gw`‡K Lw`Rvi ¯^cœeov‡jLvi cvkcwk wZwb GB bKwk Kv_vi e¨emv ïi Ki‡eb| Ggwb K‡i GwM‡q hvK Lw`Rvi gZ mKj msMvgx wK‡kvix I bvixiv GgbUvB cZ¨vkv আমাদের। অনুষ্ঠানটি প্রচারিত হয়েছে ৯ সেপ্টেম্বর সকাল ৯:২৫ টায়। উপস্থাপনায় সুরভী জাহান, সম্পাদনা মৌসুমী মনীষা।

†iwWI †gNbv ïib gyiMxi Lvgvi Ges exR msiÿY K‡i †c‡q‡Qb mdjZv

Pid`vmb IgvbMÄ GjvKvi Rxebh‡× mdj msMvgx GK bvixi bvg Kj¨mg †eMg (35eQi)| †iwWI †gNbvi Abôvb ïb‡b wbRB wewfbœ K‡i eK-meRx PvlI I exR সংরক্ষণ পদ্ধতি সম্পর্কে জেনেছেন এবং মুরগীর খামার করে স্বাবলম্বী হয়েছেন। বর্তমানে স্বামী-সন্তান wb‡q m‡LB w`bwbcvZ Ki‡Qb| Z‡e Zvi †cQ‡bi M í Uv †gv‡UB Ggb wQ‡jvbv| Kj¨mg e‡jb, evevi msmv‡i Afve AbU‡bi Kvi‡Y wVKgZ wZb †ejv Lvevi †L‡Z I cov‡jLv Ki‡Z cvi‡Zb bv| ZvB Zv‡K we‡q †`Iqv nq| ¯^vgxi msmv‡iI †mB NUbviB cbive„Ë N‡U| kïi ewo‡Z RvqMvi ¯í Zvi I Afv‡ei Kvi‡Y _vKv LvIqvi Amweav n‡Zv| Z‡e ¯^vgxi mn‡hwMZvq nvm-giwM cvjbmn wewfbœ meRx K‡i UvKv-cqmv mÂq Ki‡Z _v‡Kb| Kj¨m‡gi ¯^cœ GKUv Kv‡ZB n‡eÕ| Zvi GB cej B”Qv kw³ I `p‡PZv g‡bvej GKU GKU K‡i GwM‡q wb‡q hvq| wb‡R‡`i Rgv‡bv mÂq w`‡q eve‡mi Rb¨ RvqMv wK‡bb| Zvici †QvU AvKv‡i gyiMxi Lvgvi M‡o তোলেন। কিন্তু প্রথমেই লোকসান ¸b‡Z nq Zv‡`i| Zvici I nvi gv‡bbwb Kj¨mg| Avevi ïi K‡ib| MncwjZ cï-cvwLi hZœ e পরামর্শ ও করণীয় বিষয়ক অনুষ্ঠান ‘যত্নে মিলুক সফলতা’ শুনে পরিচর্যা ïi K‡ib| G‡Z jvfevb nb বলে জানান তিনি। বর্তমানে তাঁদের wZbwU Lvgvi i‡q‡Q| ïa ZvB bq কৃষি তথ্য ও পরামর্শ বিষয়ক অনুষ্ঠান ÔKwl I KIKÕ ïb exR msiÿY পদ্ধতি সম্পর্কে জেনেছেন এবং সে Abhvqx wewfbœ a‡Yi kvK meRxi exR Zvi N‡i msiÿY K‡i †i‡L‡Qb| Kj¨m‡gi mv‡_ K_v বলে আরো জানা যায়, তিনি একা হাতে বাড়ির উঠানে বীজ তলা পরিচর্যা, মুরগীর খামার দেখাশুনা, সংসারের যাবতীয় কাজ, সন্তানদের বিদ্যালয়ে নিয়ে যাওয়া-আসাসহ সবকিছু নিজে হাতে করেন থাকেন। এতে তার বিন্দুমাত্র ক্লান্তি নেই বলে জানান কুলসুম †eMg| wZwb g‡b K‡ib, Zvi GB mdjZvq †iwWI †gNbvI Askx`vi ZvB wZwb †iwWI †gNbv‡K ab¨ev` Ávcb K‡ib|

†kvZv gZvgZ	অর্জন	cwZeÜKZv
GmGgG‡mi gva¨‡g †kvZv‡`i Z_¨ AwaKvi w`em wb‡q Abôvb ïb‡Z †P‡q‡Qb|	G wel‡q Av‡jvPbv I cvgvY¨ Abôvb, †cv‡gv Ges msev` cPvi Kiv n‡q‡Q	
gvbwmK ¯^v¯’¨ wel‡q †dvb K‡j Ab‡iva Rvbvb †kvZviv|	†kvZv‡`i gZvgZ I wmRbvj bvbvb রোগ বিষয়ে স্বাস্থ্য পরামর্শ ও চিকিৎসা wel‡qK Abôvb Ô¯^v¯’B mLÕ wbqwgZ cPvi Z nq|	চিকিৎসকের ব্যস্ততার কারণে অনেক সময় ÷wWI‡Z Dcw¯’Z cvIqv hvqbv| ZeI তাঁদের পরামর্শ ও নির্ধারিত সময় অনুযায়ী অনুষ্ঠান সম্প্রচার করা হয়।
ড্রাগন চাষ পদ্ধতি সম্পর্কে আমিনাবাদের দুজন †kvZv mivmwi Ges †dvb K‡j i gva¨‡g Rvb‡Z †P‡q‡Qb|	উপজেলা কৃষি কর্মকর্তার দপ্তরেও ড্রাগন PvI nq| G wel‡q Dc‡Rjv KwI কর্মকর্তার সাথে কথা হয়েছে। তিনি এখনো সাক্ষাৎকারের জন্য সময় নির্ধারণ K‡ib wb|	

†hvMv‡hvM:

উম্মে নিশি,
mnKvwi †÷kb g¨v‡bRvi,
†iwWI †gNbv, Kj¨vYevM, Pid`vmb, †fvjv
†dvb: 01708 120390

manager@radiomeghna.net
/radiomeghna99.0
/radiomeghna.net